RJ–04

June – Examination 2024

B.A. (Part II) Examination

RAJASTHANI

(मध्यकालीन राजस्थानी पद्य)

Paper : RJ-04

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- ओ पेपर तीन खण्डां मांय 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड-'अ' मांय साव छोटा सवाल, खण्ड-'ब' मांय छोटा सवाल अर खण्ड-'स' मांय निबंधात्मक सवाल दियोड़ा है।

खण्ड—अ **7×2=14**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड रा सगळां सवालां रो उथळौ देवणौ जरूरी है। सबद सीमा 1 सबद, 1 वाक्य या घणकरा **30** सबद है। हरेक सवाल 2 अंक रो है।

1. (i) 'कान्हड़दे प्रबन्ध' रा रचनाकार रौ नांव लिखौ।

   (ii) 'रामरासौ' ग्रन्थ रा रचनाकार रौ नांव लिखौ।

(iii) 'नागदमण' खण्डकाव्य किणरी रचना है ?

(iv) कवि रामनाथ कविया री दो रचनावां रा नांव लिखौ।

(v) सहजोबाई किण संत सम्प्रदाय सूं सम्बन्धित ही ?

(vi) 'जेठवो' कठै रौ राजकंवर हो।

(vii) 'वचनिका राठौड़ रतनसिंह महेसदासोतरी' ग्रन्थ री रचना कुण करी।

खण्ड—ब **4×7=28**

(छोटा सवाल)

निर्देश :- हेठै लिख्या सवालां मांय सूं **चार** सवाल करणा है। सबद सीमा **200** सबद है। हरेक सवाल 7 अंक रौ है।

2. मध्यकालीन पौराणिक अर धारमिक काव्य बाबत जाणकारी प्रस्तुत करौ।

3. भगत सिरोमणी मीरांबाई रौ जीवन-परिचै प्रस्तुत करौ।

4. कविराजा बांकीदास रै जीवन परिचै सूं जुड़ी जाणकारी दैवौ।

5. रामनाथ कविया रचित 'पाबूजी रा सोरठा' रै भाव पक्ष री समीक्षा करौ।

6. कवि कृपाराम खिड़िया रौ जीवन-परिचै प्रस्तुत करौ।

7. राजस्थान रा विविध संत-सम्प्रदायां अर वांरै थरपणहारां री जाणकारी प्रस्तुत करौ।

8. चावै प्रेमाख्यान 'ढोला मारू रा दूहा' सूं जुड़ी जाणकारी प्रस्तुत करौ।

9. चावी रचना 'जैठवा-ऊजली' री काव्यगत समीक्षा करौ।

खण्ड—स **2×14=28**

(मोटा सवाल)

निर्देश :- नीचे लिख्योड़ा सवालां मांय सूं किणी दोय सवालां रौ पड़ूतर दिरावो, सबद सीमा **500** सबद है। हरेक सवाल 14 अंक रौ है।

10. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य री खास-खास प्रवृत्तिया री जाणकारी प्रस्तुत करौ।

11. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य रा खास-खास राजस्थानी रचनाकारां अर वां री रचनावां बाबत विस्तार साथै जाणकारी उजागर करौ।

12. प्रमुख संत कवयित्री सहजोबाई रौ जीवन-परिचै प्रस्तुत करता थकां वां रै काव्य-सिरजण बाबत उदाहरणां साथै जाणकारी दिरावौ।

13. राजस्थानी छंदसास्त्र री परम्परा अर विकास री जाणकारी देवण वालो अेक सांतरो लेख लिखौ।